ध्येयIAS®
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

9 December 2024

कुम्हरार में 80-स्तंभों वाले सभा भवन का उत्खनन कार्य शुरू

संदर्भः हाल ही में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने पटना के कुम्हरार में स्थित '80-स्तंभों वाले सभा भवन' के हिस्से को पुनः खोजने और संरक्षित करने के लिए उत्खनन कार्य शुरू किया है। यह मौर्य साम्राज्य की स्थापत्यकला और सांस्कृतिक धरोहर का एक अनमोल प्रतीक है। सभा भवन, प्राचीन पाटलिपुत्र की भव्यता और राजनीतिक महत्व का द्योतक है।

कुम्हरार का ऐतिहासिक महत्व :

- कुम्हरार, सम्राट अशोक के शासनकाल के दौरान मौर्य साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र का हिस्सा था।
- ऐसा माना जाता है कि 80-स्तंभों वाला सभा भवन वह स्थल था, जहां सम्राट अशोक ने तीसरी बौद्ध संगीति आयोजित की, जिसने बौद्ध धर्म के वैश्विक प्रचार में अहम भूमिका निभाई।
- यह स्थल मौर्यकालीन स्थापत्यकला और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक है, जोकि 321 ईसा पूर्व से 185 ईसा पूर्व तक फली-फूली।

उत्खनन का इतिहासः

- खुदाई का कार्य 20वीं सदी के प्रारम्भ में शुरू हुआ।
- **प्रथम उत्खनन (1912-1915):** अमेरिकी पुरातत्ववेत्ता डेविड ब्रेनार्ड स्पूनर ने एक पूर्ण स्तंभ और 80 गड्ढों को खोजा, जिनसे पता चला कि अन्य स्तंभ कहां खड़े थे।
- **दूसरा उत्खनन (1961-1965):** के.पी. जायसवाल शोध संस्थान को चार और स्तंभ मिले।
- अब तक का सबसे बड़ा स्तंभ 4.6 मीटर लंबा पाया गया है, जोकि सभा भवन की भव्यता और मौर्यकालीन इंजीनियरिंग कौशल को दर्शाता है।

उत्खनन प्रणालीः

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), पटना सर्कल के अधीक्षण पुरातत्वविद् सुजीत के नेतृत्व में खुदाई कार्य किया जा रहा है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की मदद से खुदाई के दौरान नमी और जल स्तर की सावधानीपूर्वक निगरानी की जाएगी।
- यह प्रक्रिया क्रमबद्ध रूप से की जाएगी, और सभी 80 स्तंभों का उत्खनन करना स्थल के संरक्षण की स्थितियों पर निर्भर करेगा।

मौर्य साम्राज्य के बारे में:

- **स्थापनाः** मौर्य साम्राज्य की स्थापना 321 ईसा पूर्व में चंद्रगुप्त मौर्य ने अपने गुरु चाणक्य (कौटिल्य) की सहायता से की।
- **विस्तारः** यह प्राचीन भारत के सबसे बड़े साम्राज्यों में से एक था। चंद्रगुप्त ने इसे उत्तरी और मध्य भारत तक विस्तारित किया, जबकि अशोक ने इसे दक्षिण भारत और उससे आगे तक फैला दिया।
- **अशोक का शासनकालः** अशोक (268-232 ईसा पूर्व) के शासनकाल में साम्राज्य अपने चरम पर पहुँचा। कलिंग युद्ध के बाद उन्होंने बौद्ध धर्म को अपनाया और शांति, अहिंसा, और नैतिक शासन के सिद्धांतों को बढ़ावा दिया।
- **प्रशासनः** मौर्य साम्राज्य में केंद्रीकृत प्रशासन था। प्रांतों का शासन वायसरायों द्वारा किया जाता था, जबकि जासूसों का एक प्रभावी नेटवर्क सम्राट को सूचनाएँ प्रदान करता था।
- **सांस्कृतिक और आर्थिक उपलब्धियाँः** साम्राज्य ने व्यापार और शहरीकरण को बढ़ावा दिया। सड़कों और जल प्रबंधन जैसे बुनियादी ढांचे का विकास हुआ। अशोक के शिलालेखों में नैतिक शिक्षाओं और धार्मिक सहिष्णुता पर विशेष जोर दिया गया।
- **पतनः** अशोक की मृत्यु (232 ईसा पूर्व) के बाद कमजोर उत्तराधिकारियों, आंतरिक संघर्षों और बाहरी आक्रमणों के कारण साम्राज्य का पतन हुआ और 185 ईसा पूर्व तक यह समाप्त हो गया।

तृतीय बौद्ध संगीति के बारे में

- **ऐतिहासिक संदर्भः** बौद्ध संघ के भीतर मतभेदों को सुलझाने के लिए तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन लगभग 250 ईसा पूर्व पाटलिपुत्र में सम्राट अशोक के संरक्षण में किया गया।
- **उद्देश्यः** इसका मुख्य उद्देश्य बौद्ध संघ में मौजूद मतभेदों को सुलझाना और बौद्ध धर्मग्रंथों (त्रिपिटक) को मानकीकृत करना था।
- **शिक्षाओं का संरक्षणः** इस परिषद ने बौद्ध धर्म की शिक्षाओं को संरक्षित और मानकीकृत किया, जिससे थेरवाद और महायान जैसे संप्रदायों का आधार तैयार हुआ।
- **अशोक की भूमिकाः** अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने भिक्षुओं को भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य एशिया में मिशनरी यात्राओं पर भेजा।
- **परिणामः** तृतीय बौद्ध संगीति ने बौद्ध शिक्षाओं को औपचारिक रूप दिया, जिससे बौद्ध धर्म का वैश्विक स्तर पर प्रसार हुआ।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

एफसीएनआर (बी) जमा पर ब्याज दर सीमा बढ़ी।

संदर्भ: हाल ही में भारत की वित्तीय प्रणाली को मजबूत करने और विदेशी पूंजी प्रवाह को आकर्षित करने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक [एफसीएनआर (बी)] जमा पर ब्याज दर की सीमा बढ़ा दी है।

एफसीएनआर (बी) जमा के बारे में:

- एफसीएनआर (बी) जमा एक विदेशी मुद्रा सावधि जमा है, जिसे अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए भारतीय बैंकों में खोला जा सकता है।

विशेषताएँ:

- अनिवासी भारतीयों को विदेशी मुद्राओं में बचत जमा करने की सुविधा मिलती है, जिससे वे विनिमय दर जोखिम से बच सकते हैं।
- इन जमा का कार्यकाल 1 वर्ष से 5 वर्ष तक होता है।
- भारत को निवेश स्थल के रूप में और अधिक आकर्षक बनाने के लिए एफसीएनआर (बी) जमाओं के लिए ब्याज दर की अधिकतम सीमा में संशोधन किया गया है।

संशोधित ब्याज दर सीमा:

जमा अवधि	पिछली सीमा	नई सीमा
1 वर्ष से 3 वर्ष से कम	ओवरनाइट एआरआर + 250 आधार अंक (बीपीएस)	ओवरनाइट ARR + 400 बीपीएस
3 वर्ष से 5 वर्ष	ओवरनाइट ARR + 350 बीपीएस	ओवरनाइट ARR + 500 बीपीएस

ये परिवर्तन 31 मार्च 2025 तक प्रभावी रहेंगे।

महत्व:

- ब्याज दरों में वृद्धि का उद्देश्य निम्नलिखित उद्देश्यों के माध्यम से भारत में एनआरआई निवेश को बढ़ाना है:
  - » **विदेशी पूंजी प्रवाह को बढ़ावा:** उच्च ब्याज दरें एनआरआई के लिए एफसीएनआर (बी) जमा को अधिक आकर्षक बनाती हैं, जिससे विदेशी निवेश में वृद्धि को प्रोत्साहन मिलता है।
  - » **भारतीय रुपया को मजबूत बनाना:** पूंजी प्रवाह से रुपये को स्थिर करने और भारत के भुगतान संतुलन को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) पर प्रभाव:

विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) का प्रवाह मजबूत बना हुआ है:

- **2024-25 (अप्रैल-दिसंबर):**
  - » शुद्ध एफपीआई प्रवाह 9.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जोकि मुख्य रूप से ऋण खंड में था।
  - » बाह्य वाणिज्यिक उधारी और अनिवासी जमा से बढ़ता प्रवाह भारत में निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

वैकल्पिक संदर्भ दर (ARR) के बारे में:

- ARR एक बेंचमार्क ब्याज दर है, जिसका उपयोग LIBOR (लंदन इंटरबैंक ऑफर रेट) जैसी पारंपरिक दरों के विकल्प के रूप में किया जाता है।
- **भारत में:**
  - » यह ओवरनाइट मार्केट रेपो दरों पर आधारित है, जोकि अल्पकालिक उधारी की लागत को दर्शाती है।
  - » एफसीएनआर (बी) के लिए जमा दरें प्रचलित बाजार स्थितियों के अनुरूप होती हैं।

निष्कर्ष:

एफसीएनआर (बी) जमाराशियों पर ब्याज दर की अधिकतम सीमा बढ़ाने का आरबीआई का निर्णय विदेशी पूंजी को आकर्षित करने, रुपये को स्थिर करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की व्यापक रणनीति के अनुरूप है। एनआरआई भागीदारी को प्रोत्साहित करके, यह कदम भारत की वित्तीय स्थिरता को मजबूत करता है और दीर्घकालिक आर्थिक उद्देश्यों का समर्थन करता है।

नागालैंड में शराबबंदी पर पुनर्विचार: हॉर्नबिल महोत्सव

संदर्भ: हाल ही में नागालैंड में हॉर्नबिल महोत्सव के 25वें संस्करण का आयोजन हो रहा है, जोकि प्रतिवर्ष 1 से 10 दिसंबर तक मनाया जाता है। इस महोत्सव में शराब के उपयोग ने राज्य में लागू 35 साल पुराने शराबबंदी कानून को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है।

हॉर्नबिल महोत्सव के बारे में:

- वर्ष 2000 में पहली बार आयोजित इस उत्सव का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देते हुए नागालैंड की 14 मान्यता प्राप्त जनजातियों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना और प्रदर्शित करना है।
- प्रतिष्ठित हॉर्नबिल पक्षी के नाम पर रखा गया यह उत्सव जनजातियों के लिए एक एकीकृत मंच के रूप में कार्य करता है और उनकी परंपराओं को दुनिया के सामने पेश करता है।

मुख्य विशेषता:

- सांस्कृतिक प्रदर्शन: पारंपरिक नृत्य, संगीत और परेड।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- **प्रदर्शनियाँ:** शिल्प प्रदर्शन, हर्बल दवा स्टॉल, और नागा मोरंग।
- **गतिविधियाँ:** कुश्ती प्रतियोगिताएं, खाद्य मेले और अन्य सांस्कृतिक प्रदर्शन।

ग्रेट हॉर्नबिल:

- हॉर्नबिल (बुसेरोटिडे) अफ्रीका, एशिया और मेलानेशिया में पाए जाने वाले उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय पक्षी हैं। भारत में हॉर्नबिल की नौ प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से पूर्वोत्तर में सबसे ज्यादा विविधता है।

ग्रेट हॉर्नबिल की मुख्य विशेषताएँ:

- भारतीय उपमहाद्वीप और दक्षिण-पूर्व एशिया का मूल पक्षी।
- यह अपने जीवंत पंखों और लंबी, घुमावदार चोंच के लिए जाना जाता है, जिसे अक्सर एक कैस्क के साथ सजाया जाता है।
- अरुणाचल प्रदेश और केरल का राज्य पक्षी।

संरक्षण संबंधी चिंताएँ:

- **खतरे:** वनों की कटाई के कारण आवास का नुकसान तथा मांस, वसा और सजावटी शरीर के अंगों के लिए शिकार।
- **स्थिति:** आईयूसीएन रेड लिस्ट में संवेदनशील के रूप में सूचीबद्ध।

शराब और हॉर्नबिल महोत्सव:

- हॉर्नबिल महोत्सव में स्थानीय चावल से बनी बीयर (थुत्से) और हाल ही में भारत में निर्मित विदेशी शराब (IMFL) की बिक्री भी शामिल है।
- **सरकार का निर्णय:** पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए इस वर्ष त्यौहार स्थलों पर प्डथ्स् की अनुमति दी गई।
- **विरोध:** नागालैंड बैपटिस्ट चर्च काउंसिल (NBCC) ने इस कदम का विरोध किया और जोर दिया कि पर्यटक नागा संस्कृति की ओर आकर्षित होते हैं, न कि शराब की ओर।

नागालैंड शराब पूर्ण निषेध (एनएलटीपी) अधिनियम, 1989:

- चर्च के समर्थन से प्रस्तुत एनएलटीपी अधिनियम शराब की बिक्री और खपत पर प्रतिबंध लगाता है, लेकिन इसे महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा है:
  - **तस्करी में वृद्धि:** असम से बड़े पैमाने पर तस्करी और व्यापक स्तर पर अवैध शराब का कारोबार।
  - **स्वास्थ्य जोखिम:** नकली शराब गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ पैदा करती है।
  - **राजस्व हानि:** प्रतिबंध के परिणामस्वरूप उत्पाद शुल्क राजस्व में भारी हानि हुई है।
  - **मादक पदार्थों का प्रयोग:** प्रतिबंध अक्सर लोगों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग की ओर धकेलते हैं।

निष्कर्ष:

हॉर्नबिल महोत्सव न केवल नागालैंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है, बल्कि यह क्षेत्र की पारिस्थितिकी, सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर भी प्रदान करता है। शराबबंदी जैसे जटिल मुद्दों को हल करने के लिए एनएलटीपी अधिनियम की चुनौतियों का समाधान और सरकार व सभी संबंधित पक्षों के बीच संवाद को बढ़ावा देना आवश्यक है। आधुनिक नीतिगत सुधारों के साथ पारंपरिक धरोहरों के संरक्षण का संतुलन ही नागालैंड को उसकी विशिष्ट पहचान और सामूहिक लचीलेपन का प्रतीक बनाए रखेगा।

पॉवर पैक्ड न्यूज

पीएम ई-विद्या चैनल 31 का शुभारंभ

- हाल ही में सरकार ने पीएम ई-विद्या चौनल 31 लॉन्च किया है, जोकि सांकेतिक भाषा के लिए एक समर्पित डीटीएच चौनल है। यह पहल दिव्यांग व्यक्तियों, विशेष रूप से श्रवण बाधित व्यक्तियों के कल्याण को बढ़ाने के लिए भारत के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।
- भारत में सांकेतिक भाषा का महत्वपूर्ण योगदान है, क्योंकि यह नृत्य, नाटक और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों जैसी लोकप्रिय संस्कृतियों में मौजूद है।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है, जोकि अधिक समावेशी शिक्षा प्रणाली का समर्थन करती है। यह पहल दिव्यांगों की अपार संभावनाओं को सामने लाएगा।
- इस पहल का उद्देश्य अधिक समावेशी और प्रगतिशील समाज के निर्माण में योगदान देना है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

भारत ने नारकोटिक ड्रग्स आयोग (सीएनडी) के 68वें सत्र की अध्यक्षता की

- हाल ही में भारत को नारकोटिक ड्रग्स आयोग (सीएनडी) के 68वें सत्र की अध्यक्षता करने के लिए चुना गया है, वियना में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत शंभू एस कुमारन ने आधिकारिक तौर पर अध्यक्षता ग्रहण की। यह पहली बार है जब भारत को यह भूमिका सौंपी गई है।
- सीएनडी के अध्यक्ष के रूप में भारत की नियुक्ति वैश्विक बहुपक्षीय मंचों पर देश के बढ़ते नेतृत्व और अंतर्राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को उजागर करती है।
- अध्यक्ष के रूप में, भारत से वैश्विक दक्षिण के हितों का प्रतिनिधित्व करने और वैश्विक चर्चाओं में विकासशील देशों के दृष्टिकोणों की वकालत करने की अपेक्षा की जाती है। भारत की नेतृत्वकारी भूमिका औषधि नीति के मुद्दों पर संवाद को बढ़ावा देने में सीएनडी के कार्य को जारी रखने पर केंद्रित होगी, और सदस्य देशों के बीच सहयोग तथा साझा समाधानों पर बल देगी।

नारकोटिक ड्रग्स आयोग के बारे में:

- सीएनडी संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख नीति-निर्माण निकाय है, जोकि नशीली दवाओं से संबंधित मुद्दों पर विचार करता है।
- इसका कार्य वैश्विक औषधि प्रवृत्तियों पर नजर रखना, संतुलित औषधि नीतियां तैयार करने में सदस्य देशों की सहायता करना तथा प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय औषधि सम्मेलनों के कार्यान्वयन की देखरेख करना है।

मिशेल बैचलेट को शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार (2024) से सम्मानित किया गया

- हाल ही में चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बाचेलेट को 2024 के लिए शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार हेतु चुना गया है।
- मानवाधिकार, शांति और लैंगिक समानता की एक प्रमुख वकील, बाचेलेट ने यूएन विमेन की संस्थापक निदेशक, मानवाधिकारों के लिए यूएन उच्चायुक्त और चिली की राष्ट्रपति जैसी महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। अपने पूरे करियर के दौरान, वह हाशिए पर पड़े समूहों के अधिकारों के लिए एक प्रमुख आवाज रही हैं और उन्होंने चिली तथा विश्व स्तर पर लैंगिक समानता की वकालत की है।

- यह घोषणा इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा की गई, जिसमें पुरस्कार के लिए अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल की अध्यक्षता पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिवशंकर मेनन ने की। यह पुरस्कार विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में मानवाधिकारों, लोकतंत्र और विकास को आगे बढ़ाने के लिए बाचेलेट के समर्पण को मान्यता देता है।
- यह भारत और चिली के बीच मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने में उनके महत्वपूर्ण योगदान को भी उजागर करता है। उनका साहस और दृढ़ समर्थन दुनिया भर के लोगों को शांति और न्याय की खोज में प्रेरित करती है।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए 2024 का गुड प्रैक्टिस अवार्ड

- हाल ही में भारत को सऊदी अरब के रियाद में एशिया-प्रशांत फोरम में 'एशिया और प्रशांत क्षेत्र के लिए 2024 का गुड प्रैक्टिस अवार्ड' मिला। यह पुरस्कार भारत द्वारा अपने कार्यबल के लिए प्रभावी सामाजिक सुरक्षा प्रथाओं को अपनाने के प्रयासों को मान्यता देता है।

- कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों का प्रबंधन करने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को इसके प्रभावी संचार चौनलों के लिए पांच योग्यता प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।
- यह पुरस्कार ईपीएफओ द्वारा अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने, उन्हें अधिक सुलभ और पारदर्शी बनाने के लिए शुरू किए गए सुधारों पर प्रकाश डालता है। ये परिवर्तन भारत के कर्मचारियों को अधिक समावेशी और उत्तरदायी बनाकर उनके लिए बेहतर सामाजिक सुरक्षा प्रणाली प्रदान करने के प्रयासों का हिस्सा हैं।
- कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के महानिदेशक अशोक कुमार सिंह ने ईपीएफओ की ओर से पुरस्कार स्वीकार किया।
- यह मान्यता एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बेहतर सामाजिक सुरक्षा प्रथाओं को बढ़ावा देने में भारत के नेतृत्व को दर्शाती है

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com